चिकित्सकों की गरिमा में अंतर, सुधार की ज़रूरत

'तनाव मुक्त' कार्यक्रम में डॉक्टर्स से रूबरू हुई जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा शिवानी

ग्वालियर-म.प्र.। डॉक्टर्स को तन के इलाज के साथ-साथ मन का इलाज करना भी आवश्यक है। यह तभी हो सकेगा जब मन सशक्त होगा। मन को सशक्त बनाने के लिए वाणी के संयम की ज़रूरत है। हमें सकारात्मक ऊर्जा देना सीखना होगा। समय के साथ चिकित्सकों की गरिमा में अंतर आया है। इसे पुन: सुधारने की ज़रूरत है। डॉक्टर, मरीज और बीमारी एक होते हुए भी असर अलग-अलग होता है, क्योंकि विश्वास में कमी आई है।

उक्त विचार जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु.शिवानी ने भगवत सहाय सभागार में आयोजित दो दिवसीय 'तनाव मुक्त' कार्यक्रम में चिकित्सकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आंतरिक ऊर्जा के आभामंडल को बढ़ाने से हम अपने व्यवहार व व्यवसाय को अच्छा बना सकते हैं। मरीज दर्द की स्थिति में ही आपके पास आता है, ऐसे में आपका नम्र भाव उनकी आधी बीमारी खत्म कर देता है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर आई.एम.ए. अध्यक्ष डॉ. दिनेश उदैनिया एवं सचिव अमित दीवान ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों के प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि हमारे भाग्य के साथ भूत, वर्तमान एवं भविष्य जुड़े हुए हैं। हमारे द्वारा धन और मन का जो व्यवहार किया जाता है, यदि उसको आप अभी नहीं निपटाओगे तो यह अगले जन्म में आपके लिए कष्टकारी होगा। पिछले जन्मों के कर्मों को नहीं जानने के कारण ही हम दु:खी हैं। जैसा बीज, वैसा फल, जो हमने बोया है वही हमें मिलता है। इस सिरीज़ को बंद करने के लिए किसी पक्ष को पहल तो करनी ही होगी। हमारे वर्तमान कर्म ही भविष्य का निर्माण करेंगे।

बढ़ते तनाव से बढ़ रही दुर्घटनायें

कार्यक्रम के दौरान कैंडल लाइटिंग कर पीड़ितों को सम्बल प्रदान करते हुए क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला, केन्द्रीय नीति आयोग की सदस्या शताब्दी पाण्डे, मुख्य वन संरक्षक जगदीश प्रसाद, ब्र.कु. नीलम तथा ब्र.कु. सौम्या।

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ित लोगों की याद में विश्व यादगार दिवस पर 'आध्यात्मिकता से सुरक्षा' विषयक कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि ज़्यादातर दुर्घटनाएं वाहन चालक की लापरवाही से होती हैं। सजगता के अभाव में दुर्घटनाओं पर काबू पाना सम्भव नहीं है। इसके साथ ही तनाव और तेज़ गति से वाहन चलाने से भी दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने सर्वे भवन्तु सुखीन: का उल्लेख करते हुए कहा कि गाड़ी चलाते वक्त दूसरों को अपने समान मानकर उनकी सुविधा का ध्यान रखें। उन्होंने आगे कहा कि वाहन चालक का यदि अपने मन पर नियंत्रण नहीं, तो उसका गाड़ी पर नियंत्रण होना सम्भव नहीं है। इसलिए वाहन चालकों को योग की शिक्षा देना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि मुम्बई में शासकीय परिवहन चालकों और कण्डकटरों कों नियमित रूप से राजयोग का प्रशिक्षण दिये जाने पर दुर्घटनाओं में कमी आई है। केन्द्रीय नीति आयोग की सदस्या शताब्दी पाण्डे ने कहा कि नैतिक और चारित्रिक शिक्षा का अभाव ही दुर्घटनाओं को जन्म दे रहा है। उन्होंने सभी माताओं से अपील की कि वे अपने बच्चों को यातायात नियमों को पालन करने और गाड़ी धीरे चलाने के लिए प्रेरित करें। मुख्य वन संरक्षक जगदीश प्रसाद ने कहा कि आध्यात्मिकता से हमें सुरक्षित यात्रा करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों की क्षतिपूर्ति इन्श्योरेन्स द्वारा हो जाती है, लेकिन शारीरिक भरपाई नहीं की जा सकती। इसलिए उन्होंने राजयोग मेडिटेशन द्वारा मन की एकाग्रता को बढ़ाने की अपील की। ब्र.कु. नीलम ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. सौम्या ने किया। अन्त में मौन रहकर पीड़ितों को आत्म सम्बल प्रदान करने के लिए मेडिटेशन किया गया।

कार्यक्रम में पीड़ितों को आत्म सम्बल प्रदान करने के लिए मेडिटेशन किया गया।

अखिल भारतीय किसान सशक्तिकरण अभियान

पटना-बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ के ग्रामीण प्रभाग द्वारा श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में अखिल भारतीय किसान सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजू भाई ने कहा कि किसानों के जीवन में आध्यात्मिकता के द्वारा श्रेष्ठ मानसिक बदलाव लाकर 2007 में 'शाश्वत यौगिक खेती' नाम से प्रोजेक्ट चलाया गया। जिसके सकारात्मक परिणाम जैविक व शाश्वत यौगिक खेती में पाये गये। जिसे देख भारत के विभिन्न प्रान्तों में किसान सशक्तिकरण अभियान निकाले गये। किसानों के जीवन को निर्व्यसन व चरित्रवान बनाने की दिशा में जागरुकता के कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी के अंतर्गत यहाँ भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,गुज. ने कहा कि आध्यात्मिकता के द्वारा वैचारिक क्रान्ति लाकर अर्थात् किसान की सोच बदलकर उनकी दशा बदलनी है। उनकी नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के प्रयास इस अभियान के द्वारा किए जाएंगे।

बिहार के कृषि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य बहुत ही प्रशंसनीय है। मुझे बहुत खुशी है कि ब्रह्माकुमारी संस्था ने कृषि के क्षेत्र में सशक्तिकरण के लिए कदम उठाए हैं जो बहुत ही सराहनीय है। सरकार के द्वारा जैविक खेती के साथ ही हम शाश्वत यौगिक खेती पद्धति को बिहार में प्रयोग करेंगे। इसके लिए सर्वप्रथम हमारे आवास में ही जो खेती के लिए भूमि है, उसमें यौगिक खेती का प्रयोग करने के लिए मैं संस्था को आमंत्रित करता हूँ।

राम कृष्ण पाल यादव, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, भारत सरकार ने बताया कि सरकार दृढ़संकल्प है कि 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी हो जाये। इसके लिए सरकार के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। परन्तु इस संदर्भ में ब्रह्माकुमारी संस्था के द्वारा समाजिक एवं मानवीय उत्थान हेतु कृषि अभियान जो बिहार में निकाली जा रही है, वो निश्चित हीं अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी व सरकार की सफलता में सहयोग मिलेगा।

ब्र.कु. संगीता,क्षेत्रिय निदेशिका ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किए। साथ ही अभियान यात्रियों को रामकृष्णपाल यादव के द्वारा ध्वज एवं ब्र.कु सरला दीदी के द्वारा कलष देकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्था के सैकड़ों भाई-बहनें एवं हज़ारों की संख्या में किसान उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलित कर अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ब्र.कु. राजेन्द्र, प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू भाई, कृषि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला व ब्र.कु. संगीता।

शिक्षाविदों के लिए कार्यशाला का आयोजन

ओ.आर.सी.गुरूग्राम। स्कूल, कॉलेज एवं विश्व-विद्यालयों के शिक्षकों, प्राचार्यों एवं प्रशासकों के लिए 'गेनिंग इन्साइट्स गोइंग बियॉन्ड' विषय पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ज़िम्मेवार हम सभी हैं। हमारा मन जितना सकारात्मक एवं अहिंसक विचारों से पूर्ण होगा, उतना ही वातावरण शक्तिशाली होगा। शिक्षकों को पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को भावनात्मक रूप से भी शक्तिशाली बनाने की आवश्यकता है। एक शक्तिशाली मन ही परिस्थितियों का सामना कर सकता है। हमें स्वयं पर विश्वास होना चाहिए। हम अपने बारे में बेहतर जानते हैं। हम सिर्फ बच्चों को किताबी शिक्षा ही नहीं सिखाते, बल्कि अपने आचरण से भी बहुत कुछ सिखाते हैं। ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र. कु. आशा दीदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अगर हम विद्यार्थियों का श्रेष्ठ जीवन बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले हमारा जीवन उनके सामने श्रेष्ठता का उदाहरण होना चाहिए। उन्होंने ऐसे आयोजनों को शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए आवश्यक बताया। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त सचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि जीवन की असली खुशी दूसरों को देने में है। जीवन का मुख्य लक्ष्य ही दूसरों की सेवा करना है। ब्र.कु. रमा ने सभी को संस्था का परिचय देते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट किया।

शिक्षाविदों को सम्बोधित करते हुए ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु. आशा व जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी।

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने बताया कि बच्चों के जीवन को एक सही दिशा प्रदान करने में शिक्षकों की एक बहुत बड़ी भूमिका है। बच्चों को हम जिस प्रकार का वातावरण देते हैं, उनमें उस प्रकार के ही विचार पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि आज अगर युवाओं में हिंसा की प्रवृत्ति बढ़ रही है तो उसके

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 11th Dec 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं आशीर्वाद प्रेस द्वारा मुद्रित।